शिक्षक रवि शंकर राय, विषय-अर्थशास्त्र
दिनांक-11-11-2020, वर्ग-BA-II

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के कार्य (Function of Industrial Development Bank of India)

इसका कार्य क्षेत्र व्यापक रखा गया है जिसमें उन सभी कार्यों को सम्मिलित किया गया जो हमारे विद्यमान वित्त निगमों द्वारा सम्पन्न किए जाते हैं।

इसकी कार्य सूची में वित्त एवं विकास संबंधि सभी कार्य आ जाते हैं जो निम्नलिखित हैं :-

(i) ऋण प्रदान करना (To provide loans)

बैंक सभी प्रकार के औद्योगिक संस्थाओं को दीर्घकालीन ऋण देता है। ऐसी संस्था द्वारा जारी किये गए ऋणपत्रों में खरीदने का अधिकार भी इसे है।

(ii) ऋण-पत्रों की गारंटी (To give guarantee of loans) :-

औद्योगिक संस्थाओं द्वारा पूँजी-बजार में अथवा बैंकों से लिए जानेवाला

ऋणों तथा निर्यात के ~~स्थगित~~ स्थगित भुगतानों की गारंटी देना का अधिकार इस बैंक को प्राप्त है। बैंकों तथा अन्य वित्तीय संस्थाओं द्वारा किये गए अभिगोपन से उत्पन्न दायित्वों के लिए भी बैंक गारण्टी दे सकता है। इससे भारत में संघीय अभिगोपन अथवा संयुक्त अभिगोपन के लिये अनुकूल ~~के लिए~~ वातावरण उत्पन्न हो सकेगा।

(iii) पुनर्वित्त की सुविधाएँ देना (To give Refinance facilities)

औद्योगिक विकास बैंक निर्दिष्ट वित्तीय संस्थाओं द्वारा 3 से 25 वर्ष तक के दीर्घकालीन ऋणों के लिए तथा अनुसूचित बैंकों एवं सहकारी बैंक द्वारा औद्योगिक संस्थाओं को दिए गये 3 से 10 वर्ष तक के ऋणों के लिए पुनर्वित्त की सुविधाएँ देता है। यह अवधि 10 वर्ष से अधिक हो सकती है।

इसी प्रकार बैंकों और अन्य ~~वित्तीय~~ वित्तीय

संस्थाओं द्वारा निर्यात के सम्बन्ध में दिये गए मध्यकालीन ऋणों के लिए भी पुनर्वित्त की सुविधाएँ इस बैंक द्वारा दी जाती है।

(iv) अंशों में प्रत्यक्ष अभिदान (Direct Subscription of Share) :-

विकास बैंक को औद्योगिक संस्थाओं द्वारा जारी किए गए ~~स्कन्ध~~ स्कन्ध एवं अंशो में प्रत्यक्ष अभिदान करने का भी अधिकार है। इस प्रकार के बैंक के लिए ऐसी व्यवस्था होना अत्यन्त आवश्यक है; क्योंकि इसके बिना उद्योगों के प्रवर्तन एवं विकास में सक्रिय सहयोग देना बड़ा कठिन होता है।

(v) अभिगोपन के कार्य (Underwriting Activities)

औद्योगिक विकास बैंक अन्य औद्योगिक संस्थाओं द्वारा पूँजी बाजार में जारी किये जाने वाले अंशो, ऋणपत्रों और बॉण्डों को अभिगोपन कर सकता है।

(vi) विकास एवं गवेषणा के कार्य (Developmental work) —

अन्य बैंकों का कार्य इस बैंक द्वारा

सम्पन्न किये जाते हैं, जैसे आधारभूत उद्योगों के विकास के उद्देश्य से नयी योजनाओं को मूर्त रूप देने में प्रशासनिक कार्य, एवं ~~शिल्प~~ शिल्प संबंधी सहायता देना, विपणन, विनियोग एवं तकनीकी अनुसंधान तथा सर्वेक्षण आदि। साथ ही नये उद्योग के प्रवर्तन, प्रबंधक, प्रशासन आदि में यह बैंक सहायता प्रदान करता है।

औद्योगिक विकास बैंक सार्वजनिक एवं निजी दोनों ही क्षेत्रों में उद्योगों को सहायता प्रदान करता है। सभी प्रकार के उद्योगों को इससे सहायता मिल सकता है, जैसे ~~रासायनिक~~ रासायनिक खाद, पेट्रो रसायन, लौह आयस्क, विशिष्ट इस्पात, तथा अन्य उद्योग, होटल यातायात आदि।

ऋणों की सीमा और ऋणों की सुरक्षा के लिए दी गयी जमानत की प्रकृति तथा ऋणपत्र प्राप्त करने वाली संस्थान के संगठन आदि के विषय में इस बैंक के लिए कोई प्रतिबंध अथवा परिसीमाएँ नहीं हैं जैसा कि अन्य कुछ वित्त निगमों के विषय में हैं।